भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

(आयुवद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1924

12 फरवरी, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

हबल गाडन

1924. श्रीमती रेखा अरुण वमा:
श्री अजय कुमार मंडल:
श्री बी.वाई. राघवेन्द्र:

क्या आयुवद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्री यह बताने की कृपा करगे किः

(क) देश म कनाटक, उत्तर प्रदेश और बिहार के भागलपुर जिले सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितने हबल गाडन है;

(ख) कनाटक सहित विभिन्न राज्यों म विभिन्न प्रकार के हबल गाडन विकसित करने के लिए विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों को प्रदान की गई परियोजना आधारित सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) हबल गाडनों हेतु कितनी निधि आबंटित, संवितरित और उपयोग की गई है और गत तीन वर्षों और चालू वष के दौरान उक्त प्रयोजन हेतु राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितनी भूमि आबंटित की गई है; और

(घ) सरकार द्वारा हबल कृषि करने वाले किसानों को लाभ प्रदान करने के लिए अन्य कदम उठाए गए ह?

उत्तर

युवा मामलों और खेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
और आयुवद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी मंत्रालय के
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का अतिरिक्त प्रभार (श्री किरेन रीजीजू)

(क): वतमान म राष्ट्रीय औषधीय पादप बोड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार "औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन" की कद्रीय क्षेत्रक योजना का कायान्वयन कर रहा है जिसके तहत जड़ी-बूटीय उद्यानों की स्थापना के माध्यम से बाह्य-स्थाने संरक्षण के लिए परियोजना आधारित सहायता प्रदान की जाती है। कनाटक, उत्तर-प्रदेश और बिहार के भागलपुर जिले सहित देश म विभिन्न प्रकार के जड़ी-बूटीय उद्यानों की संस्वीकृत परियोजनाओं की संख्या **संलग्नक-I** म दी गई है।

(ख): उपरोक्त कद्रीय क्षेत्रक योजना म विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों को विभिन्न प्रकार के जड़ी-बूटीय उद्यान अर्थात गृह जड़ी-बूटीय उद्यान, विद्यालय जड़ी-बूटीय उद्यान, संस्थागत/सार्वजनिक जड़ी-बूटीय उद्यान और राज्य एवं राष्ट्रीय महत्व के जड़ी-बूटीय उद्यान विकसित करने के लिए परियोजना आधारित सहायता प्रदान करने के लिए प्रावधान है। उपयुक्त कद्रीय क्षेत्रक योजना के तहत कनाटक सहित पूरे देश म

विगत तीन वर्षों के दौरान समर्थित विभिन्न प्रकार के जड़ी-बूटीय उद्यान परियोजनाओं का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **संलग्नक-II** में दिया गया है।

(ग): इस प्रयोजनार्थ कवर किए गए क्षेत्र के साथ-साथ जड़ी-बूटीय उद्यानों के लिए संस्वीकृत, जारी की गई और उपयोग की गई निधियों की मात्रा का विगत तीन वर्षों (2017-18 से 2019-20) और वर्तमान वर्ष (2020-21) का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **संलग्नक-III** में दिया गया है।

(घ): आयुष मंत्रालय इस समय राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। एनएएम स्कीम के 'औषधीय पादप' घटक के अंतर्गत राज्यों के चयनित जिलों में पहचान किए गए समूह/क्षेत्रों में प्राथमिकता प्राप्त औषधीय पादपों की बाजार उन्मुख खेती के लिए सहायता प्रदान की जा रही है और यह मिशन मोड में कार्यान्वित की जाती है। योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार निम्नलिखित के लिए सहायता प्रदान की जाती है:

i. किसान की भूमि पर प्राथमिकता प्राप्त औषधीय पादपों की खेती।
ii. पश्चवर्ती सम्बद्धता के साथ गुणवत्तापरक रोपण सामग्री उगाने और आपूर्ति करने के लिए पौध-शालाओं की स्थापना।
iii. अग्रवर्ती सम्बद्धता के साथ फसलोपरांत प्रबंधन।
iv. प्राथमिक प्रसंस्करण, विपणन अवसंरचना आदि।

योजना के तहत, योजना के प्रचालनगत दिशा-निदर्शों के अनुसार उपलब्धता और बाजार मांग की स्थिति के आधार पर किसान की भूमि पर 140 प्राथमिकता प्राप्त औषधीय पादपों की खेती के लिए खेती की लागत के %30, 50% और %75की दर से सब्सिडी प्रदान की जाती है।

*****

संलग्नक- I

कनाटक, उत्तर प्रदेश और बिहार के भागलपुर जिले सहित देश म विभिन्न प्रकार का जड़ी-बूटीय उद्यान के लिए सहायता प्रदान करने के लिए विगत तीन वर्षों और वतमान वष के दौरान संस्वीकृत परियोजनाओं का संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कुल
1	आंध्र प्रदेश	**1**
2	अरुणाचल प्रदेश	1
3	असम	4
4	**बिहार**	**0**
5	दिल्ली	3
6	**कनाटक**	**0**
7	केरल	3
8	मणिपुर	1
9	महाराष्ट्र	3
10	मध्य प्रदेश	1
11	नागालड	2
12	पंजाब	4
13	राजस्थान	4
14	तमिलनाडु	4
15	तेलंगाना	2
16	उत्तराखंड	5
17	**उत्तर प्रदेश**	**4**
18	पश्चिम बंगाल	2
	कुल	**44**

संलग्नक-II

कनाटक सहित विभिन्न राज्यों म विविध प्रकार के जड़ी-बूटीय उद्यान विकसित करने के लिए विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों को विगत तीन वर्षों और वतमान वष के दौरान परियोजना आधारित सहायता का ब्यौरा

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	सरकारी				गैर-सरकारी			
		एचएचजी	एसएचजी	आईएचजी	एन/एसआईएचजी	एचएचजी	एसएचजी	आईएचजी	एन/एसआईएचजी
1	आंध्र प्रदेश	-	-	-	-	-	-	-	-
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	1	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	3	1	-	-	-	-
4	दिल्ली	-	-	2	-	-	25	-	-
5	**कनाटक**	-	-	-	-	-	-	-	-
6	केरल	-	-	2	-	500	-	-	-
7	मणिपुर	-	-	-	2	-	-	-	-
8	महाराष्ट्र	-	-	2	-	-	-	1	-
9	मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	6	-	-
10	नागालड	-	100	1	-	-	-	-	-
11	पंजाब	-	232	1	-	-	-	-	-
12	राजस्थान	100	112	-	-	-	-	-	-
13	तमिलनाडु	100	20	2	-	-	-	-	-
14	तेलंगाना	-	-	2	-	-	-	-	-
15	उत्तराखंड	250	7	1	-	-	20	1	-
16	उत्तर प्रदेश	-	-	3	-	-	-	1	-
17	पश्चिम बंगाल	-	-	2	-	-	-	-	-
	कुल	**450**	**471**	**22**	**3**	**500**	**51**	**3**	**-**
	गृह जड़ी-बूटी उद्यान (एचएचजी), विद्यालय जड़ी-बूटी उद्यान (एसएचजी), संस्थागत जडी-बूटी उद्यान (आईएचजी) राष्ट्रीय/राज्य महत्व के जड़ी-बूटीय उद्यान (एन/एसआईएचजी)								

संलग्नक-III

कनाटक सहित विभिन्न राज्यों म विभिन्न प्रकार के जड़ी-बूटीय उद्यान विकसित करने के लिए विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों को विगत तीन वर्षों और वतमान वष के दौरान परियोजना आधारित सहायता का ब्यौरा

क्र. सं.	राज्य /संघ राज्य क्षेत्र	संस्वीकृत धनराशि (रूपये लाख म)	जारी की गई धनराशि (रूपये लाख म)	उपयोग की गई धनराशि (रूपये लाख म)	संस्वीकृत परियोजनाओं के तहत कवर किया गया क्षेत्र (हैक्टेयर म)
1	आंध्र प्रदेश	325.00	-	-	-
2	अरुणाचल प्रदेश	6.25	4.27	2.45	1
3	असम	83.37	47.65	12.00	10
4	दिल्ली	9.39	5.75	-	2.03
5	केरल	41.7	21.7	16.2	7
6	मणिपुर	27.6	22.20	22.20	3
7	महाराष्ट्र	20.24	12.00	6.00	4
8	मध्य प्रदेश	20.39	16.00	11.00	25
9	नागालड	69.20	40.00	-	5
10	पंजाब	123.488	58.528	-	0.1
11	राजस्थान	61.30	30.50	2.50	0
12	तमिलनाडु	191.55	108.75	-	2
13	तेलंगाना	16.06	3.00	3.00	3
14	उत्तराखंड	48.86	25.5	-	4.5
15	उत्तर प्रदेश	328.98	18.60	-	9.84
16	पश्चिम बंगाल	10.40	8.40	6.00	2
	कुल	**1383.78**	**422.85**	**81.35**	**78.47**

****